(ग) यदि हां, तो इस पौधे की अन्य कौन-कौन सी बातें स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होती हैं ; और

(घ) सरकार द्वारा इस पौधे को समूल नष्ट करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) पार्थेनियम पौधे से विशेषकर त्वचा में गम्भीर एलर्जिक प्रतिक्रिया होने की बात मानी जाती है । इससे चिरकालिक एक्जिमा जैसी स्थिति पैदा होने के साथ-साथ त्वचा का रंग बदल जाता है । यह स्थिति किसानों में जानपदिक रोग का रूप धारण कर सकती है ।

(ख) यह पौधा दिल्ली के सभी भागों और भारत के अनेक अन्य शहरों में खरपतवार के रूप में पैदा होता है ।

(ग) कृषि में, मिट्टी से मिली हुई सूखी पत्तियां, पत्तियों में गांठ बनने को रोकती हैं और मिट्टी में विकासोत्तेजक पदार्थ पैदा करती हैं । इस पौधे का पराग कुछ अन्य पौधों के पराग के अंकुरण को रोकता है । पार्थेनियम से मानव स्वास्थ्य, जानवरों और खेती को बड़ा खतरा बना हुआ है ।

पार्थेनियम पौधे के सभी भागों में एक यौगिक पदार्थ पार्थेनियम के होने की बात मानी जाती है जो शरीर के सम्पर्क में आने पर एलर्जिक प्रतिक्रिया पैदा करता है । पार्थेनियम के खाने से भैंसों और बछड़ों में विषाक्तता प्रचण्ड और चिरकालिक दोनों रूपों में उत्पन्न होती है । गम्भीर स्थिति में मौत भी हो सकती है ।

संवर्धित वृक्क कोशिकाओं में पार्थेनियम से कोशिका विष उत्पन्न होने का पता चलता है । इसमें वृहदाणविक संश्लेषणों को नहीं होने दिया । और आर०एन०ए०, डी०एन०ए० और प्रोटीन के संश्लेषणों को भी नहीं होने दिया । इसके अतिरिक्त कोशिकाओं के 24 घंटे के उपचार के बाद पार्थेनियम ने प्रमुख कोशिकीय एन्जाइमों के क्रियाकलापों में भी बाधा डाली ।

(घ) इन पौधों का उच्छेदन समाप्त करना कठिन है ।

उत्तर प्रदेश को वानिकी के लिये आबंटित धनराशि

680. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय** : क्या योजना मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) योजना आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश को सातवीं पंचवर्षीय योजना के लिए कितनी धनराशि आबंटित की गई थी; और

(ख) 1988–89 के वर्ष के लिए कार्यक्रमवार कितनी-कितनी राशि आबंटित की गई है ?

योजना मंत्री तथा कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री (श्री माधवसिंह सोलंकी) (क) उत्तर प्रदेश के वानिकी क्षेत्र हेतु सातवीं पंचवर्षीय योजना के लिए 162.00 करोड़ रु० की राशि के आबंटन की स्वीकृति दी गई है ।

(ख) वर्ष 1988–89 के लिए निम्नलिखित प्रमुख कार्यक्रमों के लिए 57.43 करोड़ रु० की राशि स्वीकृत की गई थी :—

(करोड़ रु०)

1. सामाजिक तथा फार्म वानिकी	48.22
2. वन संरक्षण तथा विकास	1.21
3. विस्तार तथा प्रशिक्षण	0.01
4. वन्यजीवन परिरक्षण	2.06
5. अन्य योजनाएं	5.93
कुल :	57.43

संघ लोक सेवा आ... के पद

681. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों के अनेक पद इस समय रिक्त हैं तथा ये पद कब-कब से रिक्त पड़े हैं ; और

(ख) इन रिक्त स्थानों को न भरे जाने के क्या कारण हैं और इन्हें कब तक भर दिए जाने का विचार है ?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम) : (क) संघ लोक सेवा आयोग की स्वीकृत पद संख्या एक अध्यक्ष और 10 सदस्य की है जिनमें से सदस्यों के दो पद क्रमशः दिनांक 13-5-1988 और 24-5-1988 से रिक्त पड़े हैं ।

(ख) इन रिक्तियों को भरने के प्रस्ताव पर सरकार सक्रिय रूप से विचार कर रही है ।

वैद्यनाथ आयुर्वेद भवन द्वारा मिलावटी दवाओं का उत्पादन

682. **श्री राम अवधेश सिंह** : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि वैद्यनाथ आयुर्वेद भवन, पटना, झांसी और कानपुर द्वारा निर्मित दवाओं में बड़े पैमाने पर मिलावट की जाती है और वे अपने गुप्त लिखित फार्मूले के बजाए घटिया किस्म की वस्तुएं मिला कर दवाएं तैयार करते हैं जिनका रोगियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है ;

(ख) क्या सरकार उनके द्वारा तैयार की जाने वाली दवाओं में अक्सर मिलाए जाने वाली घटिया किस्म की सामग्री को जब्त करने का विचार रखती है ; और

(ग) क्या सरकार राज्यों की राजधानियों में ऐसे रासायनिक जांच केन्द्र खोलने का विचार रखती है जहां पर उपभोक्ता दवाओं की शुद्धता और उपयोगिता की जांच करा सके ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) और (ख) औषध और प्रसाधन सामग्री अधिनियम तथा उसके अंतर्गत बने नियमों के उपबन्धों के अनुसार भारतीय चिकित्सा पद्धति की फार्मेसियों पर नियंत्रण और उनका निरीक्षण, निर्माण लाइसेंस जारी करने का कार्य राज्य सरकारों द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त राज्य औषध नियंत्रकों का है । इस मंत्रालय के किसी भी राज्य औषध नियंत्रक द्वारा भारतीय चिकित्सा पद्धति से वैद्यनाथ आयुर्वेद भवन द्वारा अपने गुप्त लिखित फार्मूले की बजाए घटिया किस्म की वस्तुयें मिलाकर आयुर्वेदिक दवाएं तैयार करने के बारे में जिनका रोगियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, कोई रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है ।

(ग) केन्द्रीय सरकार ने भारतीय चिकित्सा पद्धति की औषधों के परीक्षण के लिए गाजियाबाद में एक भारतीय चिकित्सा भेषज संहिता प्रयोगशाल स्थापित की है। राज्यों की राजधानियों में ऐसी प्रयोगशालाएं खोलने का इस समय कोई प्रस्ताव नहीं है।

Resistance against launching of Agni Missile

683. PROF. C. LAKSHMANNA: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a news item which appeared in the 'Newstime' of April 18, 1989, to the effect that there was resistance on the part of the people of eleven villages who come within the safety zone of the Interim Testing Range (ITR) at Chandipur in Orissa for launching of MRBM "Agni" on full moon day between April 20, and May 10, 1989;

(b) if so, whether it is also a fact that they have been threatened of forceful eviction; and

(c) what has been the consequence of such a resistance and threat of evacuation?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF DEFENCE PRODUCTION AND SUPPLIES IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI CHINTAMANI PANIGRAHI): (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir.